BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS
COMPILED BY MEDIA CELL (04.12.2024)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE : 04.12.2024, PAGE-04

विवि सांस्कृतिक टीम के लिए 59 प्रतिभागियों का चयन

महोत्सव

मुजफ्फरपुर, प्रसं। बीआरएबीयू सांस्कृतिक टीम के लिए सभी विधाओं में कुल 59 प्रतिभागियों का तात्कालिक चयन किया गया है। सांस्कृतिक समन्वयक प्रो. इंदुधर झा ने बताया कि अंतिम रूप से 48 प्रतिभागियों का चयन कार्यशाला के बाद होगा।

उन्होंने बताया कि 10 दिसंबर से पांच जनवरी तक सभी विधाओं का अलग-अलग स्थानों पर प्रशिक्षण शिविर चलेगा। नृत्य-संगीत का प्रशिक्षण शिविर, विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम में, साहित्यिक और ललित कला विधाओं का प्रशिक्षण शिविर विश्वविद्यालय मैथिली विभाग में और नाट्य विधाओं का प्रशिक्षण शिविर इग्नू सेंटर की छत पर करवाया जाएगा। नाट्य विधाओं का कार्यशाला 8 और 9 दिसंबर को होगा, जिसमें अंतिम रूप से प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा।

किस नाटक की प्रस्तुति सांस्कृतिक महोत्सव में की जानी है, उसमें कितने स्त्री और कितने पुरुष पात्र हैं, पात्रानुकूल सबों के फिजिकल अवलोकन के बाद ही अंतिम रूप से प्रतिभागियों का चयन संभव हो सकेगा।

10 दिसंबर से पांच जनवरी तक चलेगा प्रशिक्षण

- **अंतिम 48 प्रतिभागियों का चयन कार्यशाला के बाद**

उसी तरह से नृत्य और संगीत विधाओं में भी दो-चार अधिक प्रतिभागियों को शामिल किया गया है। प्रशिक्षण के दौरान ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। वाद-विवाद और वक्तृत्व कला में भी प्रशिक्षण के दौरान दो-तीन दिनों तक तत्काल चयनित सभी प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों के अवलोकन के बाद ही अंतिम रूप से चयन किया जाएगा। ललित कला विधाओं में भी प्रशिक्षण के दौरान ही विधावार प्रतिभागी निर्धारित किए जाएंगे।

ईस्ट जोन अंतर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव 2024-25 में पिछली बार के मुकाबले इसबार और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रतिभागियों को फिल्टर करने का काम किया जा रहा है। एक से एक प्रतिभाएं हैं। महोत्सव में ये प्रतिभाएं अपना शत प्रतिशत दे सकें, इसके लिए मानसिक रूप से उन्हें तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है। एलएनटी कॉलेज से 10 विद्यार्थियों का चयन डॉ. ममता कुमारी की देखरेख में हुआ।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR
DATE : 04.12.2024, PAGE-04

शिक्षकों की कमी के कारण प्राचार्यों की बैठक में लिया गया निर्णय

दूसरे विवि के शिक्षकों के ऑडियो से यहां पढ़ेंगे छात्र

बीआरएबीयू

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बीआरएबीयू के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने मंगलवार को सभी प्राचार्यों के साथ ऑनलाइन बैठक की। बैठक में विवि के अधिकारी भी शामिल थे। कुलपति ने क्लास रूटीन से लेकर पेंडिंग तक पर प्राचार्यों से चर्चा की।

बैठक में आरबीबीएम कॉलेज की प्राचार्य प्रो. ममता रानी ने कहा कि स्नातक में वैल्यू एडेड और स्किल एनहांसमेंट कोर्स के लिए शिक्षक की कमी है। तय किया गया कि विवि ने जिन संस्थाओं से एमओयू किया है वहां के विद्वान शिक्षकों का लेक्चर रिकार्ड कर उसे छात्रों को सुनाया जाए। कुलपति ने कहा कि सभी कॉलेजों में एक स्मार्ट क्लास रूम होना चाहिए। स्मार्ट क्लास रूम में छात्र रिकार्डेड लेक्चर सुन सकेंगे।

सभी कॉलेज एक तरह की फीस लेंगे: बैठक में स्नातक और पीजी की फीस पर भी चर्चा हुई। कुलपति ने कहा कि सभी कॉलेज स्नातक और पीजी में एक समान फीस लें। जो फीस राजभवन ने तय किया है वही फीस ली जाये। सभी कॉलेज अपना फीस स्ट्रक्चर वेबसाइट पर डालें। छात्रों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो। बैठक में कहा गया जब तक सरकार से स्पष्ट निर्देश नहीं आता कॉलेज फीस लेंगे।

नियमित चलेंगी ऑनलाइन कक्षाएं

कुलपति ने कहा कि कॉलेजों में ऑनलाइन कक्षाएं चलाएं। जब भी परीक्षाएं शुरू हो, ऑनलाइन कक्षा शुरू हो जाए। कुलपति ने प्राचार्यों को ऑनलाइन कक्षा सख्ती के साथ कराने का निर्देश दिया। कहा कि ऑनलाइन कक्षा आधुनिक तरीके से ली जाए।

आपार कार्ड बनाने में लाएं तेजी

कुलपति ने सभी प्राचार्यों को निर्देश दिया कि वह छात्रों के आपार कार्ड बनाने में तेजी लाएं। हर हाल में 31 दिसंबर तक यह काम पूरा हो जाए। उन्होंने कहा कि सेमेस्टर सिस्टम में छात्र एक साल के बाद भी डिग्री ले सकते हैं, लेकिन छात्रों का क्रेडिट बनाना जरूरी है।

अलग-अलग मूल्यांकन पर भी हुई चर्चा

बैठक में मूल्यांकन केंद्र कई जगह बनाने पर भी चर्चा की गई। हालांकि, इसपर सहमति नहीं बनी। संबद्ध कॉलेजों के शिक्षकों को प्रमोशन देने का भी मुद्दा उठा, लेकिन इसपर भी सहमति नहीं बन सकी।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE : 04.12.2024, PAGE-04

कालेजों में समान कोर्स की फीस में होगी एकरूपता

कुलपति ने सभी अंगीभूत कालेजों के प्राचार्यों के साथ की आनलाइन मीटिंग, पांच एजेंडों पर हुई चर्चा

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में अब एक ही कोर्स के लिए दो कालेजों में अलग-अलग फीस नहीं ली जा सकेगी। एक समान कोर्स के लिए कालेजों में फीस की एकरूपता लागू होगी। विभिन्न कोर्स का फीस राजभवन के निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार ही कालेजों में लिए जाएंगे। साथ ही सभी कालेजों को विभिन्न कोर्स के नामांकन मद में लिए जाने वाले फीस की जानकारी आनलाइन करनी होगी। इसको लेकर कुलपति प्रो. डीसी राय ने सभी कालेजों के प्राचार्यों को निर्देश दिया है। कुलपति प्रो. राय ने मंगलवार को शाम सात बजे से आठ बजकर 30 मिनट तक प्राचार्यों के साथ आनलाइन मीटिंग की। इसमें विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी भी शामिल हुए। कुल पांच एजेंडों पर चर्चा हुई। तय हुआ कि 31 दिसंबर से पहले हर हाल में विश्वविद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं के अपार आइडी बना लिए जाएं। इसको लेकर एक दिन पहले ही पटना में कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इसी आधार पर समय सीमा निर्धारित की गई है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने कहा कि छात्र-छात्राओं का एबीसी आइडी बनाना जरूरी है। आने वाले दिनों में छात्र-छात्राओं का स्नातक से लेकर सभी कोर्स का क्रेडिट अपलोड करना होगा। तय हुआ कि जल्द ही विश्वविद्यालय स्तर से अपार आइडी बनाए जाने को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। नामांकित छात्र-छात्राओं की अपार आइडी बनाए जाने में बेहतर प्रदर्शन करने वाले एलएनटी और आरबीबीएम कालेज की चर्चा की गई। बैठक में डीएसडब्ल्यू डा. आलोक प्रताप सिंह, प्राक्टर प्रो. बीएस राय, परीक्षा नियंत्रक डा. सुबालाल पासवान, विकास पदाधिकारी डा. रमेश विश्वकर्मा, एलएस कालेज के प्राचार्य प्रो. ओपी राय, आरबीबीएम की प्राचार्य डा. ममता रानी, नीतीश्वर कालेज के प्राचार्य डा. मनोज कुमार, एलएनटी कालेज के प्राचार्य डा. अभय कुमार सिंह समेत अन्य कालेजों के प्राचार्य शामिल हुए।

- आनलाइन होगी पढ़ाई, लेक्चर रिकार्ड कर छात्रों को कराए जाएंगे उपलब्ध
- कुलपति ने कहा कि पेंडिंग रिजल्ट का कालेज और विश्वविद्यालय मिलकर करेंगे समाधान

31 दिसंबर से पहले सभी नामांकित विद्यार्थियों का बनेगा अपार कार्ड

जिलों में केंद्र बनाकर कापियों की जांच का प्रस्ताव

समय से पहले रिजल्ट जारी करने के लिए जिलों में केंद्र बनाकर कापियों का मूल्यांकन करो जाने पर चर्चा हुई। प्राचार्यों ने कहा कि कापियों का मूल्यांकन केंद्रीकृत व्यवस्था के तहत होती है। शिक्षक मूल्यांकन में चले जाते हैं तो कक्षाओं के संचालन में परेशानी होती है। ऐसे में मूल्यांकन कालेजों में कराए जाने की मांग की गई। इस पर सुझाव दिया गया है कि हर जिले के कुछ कालेजों में केंद्र बनाकर कोडिंग की गई कापियों का मूल्यांकन कराया जाए। इसे प्रयोग के तौर पर शुरू करने का विचार आया है। प्राचार्यों ने कहा कि उन्हें मूल्यांकन निदेशक की जिम्मेदारी देते हुए जांच पूरी कराई जाए।

आनलाइन कक्षाएं होंगी, शिक्षकों के वीडियो लेक्चर होंगे रिकार्ड : चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में छह महीने के भीतर ही नामांकन, परीक्षा और परिणाम के देखते हुए पढ़ाई चुनौतीपुर्ण हो गई है। सेमेस्टर सिस्टम के तहत हर छह महीने में नामांकन, परीक्षा, मूल्यांकन और रिजल्ट जारी होना है। ऐसे में छात्र-छात्राओ की पढ़ाई पूरी नहीं हो पा रही है। इसके लिए आनलाइन शिक्षण कराए जाने पर सहमति बनी है। प्राचार्यों ने कहा कि कई विषय ऐसे हैं जिसमें शिक्षकों की कमी बरकरार है। स्किल एन्हांसमेंट कोर्स से लेकर वैल्यू एडेड कोर्स की पढ़ाई के लिए कालेजों में शिक्षक नहीं है। साथ ही मेजर विषयों की पढ़ाई के लिए भी शिक्षकों की कमी है। ऐसे में प्राचार्यों ने कहा कि बगैर पढ़ाई के इंटरनल परीक्षा और परीक्षा हो रही है। ऐसे में शिक्षकों की कमी वाले विषयों में आनलाइन पढ़ाई होगी। इसके लिए शिक्षकों का वीडियो लेक्चर रिकार्ड होंगे। इसका लिंक छात्र-छात्राओं को उपलब्ध कराया जाएगा। कालेज में ऐसा स्मार्ट रूम बनाया जाए जहां से लेक्चर रिकार्ड होने के साथ-साथ आनलाइन लेक्चर में विद्यार्थी शामिल हो सके। कई दूसरे विश्वविद्यालयों से होने वाले एमओयू के तहत वहां के शिक्षकों से आनलाइन कक्षाओं के लिए अनुरोध किया जा सकता है। प्राचार्या डा. ममता रानी ने कहा कि आनलाइन कक्षाओं की निगरानी की भी जरूरत है। एक पोर्टल बनाया जाए जहां विभिन्न विषयों से जुड़े लेक्चर अपलोड कराए जाएं। इसे कोई भी छात्र-छात्रा आसानी से एक्सेस कर सके। दूसरी ओर कई विषयों जैसे एइसी, वीएसी की पढ़ाई के लिए नोडल विभाग अब तक तय नहीं होने का मुद्दा उठाया गया। इस पर डीएसडब्ल्यू डा. आलोक प्रताप सिंह ने कहा कि इसके लिए गठित समिति अपना काम कर रही है। जल्द ही इसका निर्धारण हो जाएगा।

परीक्षा समाप्त होने के साथ ही प्रतिदिन टाइप कर भेजा जाएगा मेमो

परीक्षा समाप्त होने के बाद प्रतिदिन विद्यार्थियों का मेमो टाइप कराते हुए विश्वविद्यालय को भेजा जाएगा। कुलपति प्रो. डीसी राय ने पेंडिंग की समस्या को समाप्त करने और समय पर छात्र-छात्राओं का परिणाम जारी करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है। कहा है कि विश्वविद्यालय और कालेज मिलकर इस कार्य को पूरा करें। उन्होंने कहा कि परीक्षा समाप्त होते ही छात्र-छात्राओं का मेमो टाइप कर विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराया जाए। इस पर कुछ प्राचार्यों का कहना था कि हर दिन टाइप करने में अधिक समय लगेगा। कालेजों में कर्मचारियों की कमी है। दूसरी ओर कुछ प्राचार्यों ने कहा कि परीक्षा समाप्त होने के बाद हाथ से लिखे मेमो को ही विश्वविद्यालय के ईमेल पर भेज दिया जाए और अगले दिन इसकी कापी भी उपलब्ध करा दी जाए। प्राचार्यों ने कहा कि रिजल्ट पेंडिंग की असली वजह मेमो का सही तरीके से रखरखाव नहीं होना है। कालेज इसे भेज देते हैं लेकिन विश्वविद्यालय में जाकर यह गुम हो जाता है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE : 04.12.2024, PAGE-05

4 वर्षीय स्नातक छात्रों को मिलेगा दाखिला • एनईपी 2020 के तहत तैयार किया गया प्रस्ताव

एक दशक बाद फिर शुरू होगा एक वर्षीय बीएड कोर्स, सत्र 2026-27 से लागू करने की तैयारी

धनंजय पांडेय | मुजफ्फरपुर

करीब एक दशक बाद एक वर्षीय बीएड कोर्स फिर से शुरू करने की योजना बन रही है। स्नातक के 4 वर्षीय कोर्स की पढ़ाई करने वाले छात्र एक साल में ही बीएड की डिग्री हासिल कर सकेंगे। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय सहित राज्य के विश्वविद्यालयों में सत्र 2023-24 से 4 वर्षीय कोर्स लागू है। वर्ष 2027 में पहला बैच निकलेगा, जबकि एनसीटीई की ओर से सत्र 2026-27 से एक वर्षीय बीएड कोर्स लागू करने की तैयारी है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से शिक्षा स्नातक यानी बीएड का प्रारूप और पाठ्यक्रम बदलने जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तहत प्रस्तावित बदलाव में अब बीएड का पाठ्यक्रम फिर एक वर्षीय हो जाएगा। बीएड कॉलेजों के लिए वर्ष 2025 से नए बदलाव की अधिसूचना जारी होगी। इसमें चार वर्षीय स्नातक डिग्री वाले स्टूडेंट्स को दाखिला मिलेगा। वहीं, शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी टीईटी के नियमों व मापदंड में बदलाव भी

इस तरह मिलेगी डिग्री

- **एक साल में बीएड :** 4 वर्षीय स्नातक का कोर्स पूरा किए विद्यार्थी दाखिला ले सकेंगे
- **दो साल में बीएड :** तीन वर्षीय स्नातक करने वाले विद्यार्थियों को इसमें दाखिला मिलेगा
- **एमएड डिग्री :** चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड या दो साल बीएड की पढ़ाई वाले विद्यार्थी दाखिला ले सकेंगे।

2027 में चार वर्षीय बीएड इंटीग्रेटेड डिग्री पाने वाले बैच के निकलने से पहले हो जाएगा। चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड यानी बीए-बीएड, बीएससी-बीएड और बीकॉम-बीएड का पहला बैच 2023 में शुरू हुआ है, जो 2027 में पूरा होगा। अगले साल से इसमें 4 नए विशेषज्ञता कोर्स- शारीरिक शिक्षा, कला शिक्षा, योग शिक्षा और संस्कृत शिक्षा जुड़ेंगे।

दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम भी जारी रहेंगे, पिछले सत्र से चार वर्षीय बीएड कोर्स भी हो रहा है संचालित

एनसीटीई की रिपोर्ट के अनुसार अभी देशभर में 750 कॉलेजों में दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। अगले सत्र से इसका विस्तार किए जाने की योजना है। वहीं पिछले सत्र से चार वर्षीय बीएड इंटीग्रेटेड कोर्स भी शुरू हो गया है। 2023 में बीएससी बीएड, बीए बीएड और बीकॉम बीएड की पढ़ाई शुरू हुई है। इसमें 12वीं की पढ़ाई के बाद एडमिशन होता है। सत्र 2025 से इसके विस्तार की योजना तैयार की गई है। दरअसल, नई शिक्षा नीति के तहत चार भागों फाउंडेशन, प्रीपेटरी, मिडिल व सेकंडरी स्तर के अनुरूप ही शिक्षक तैयार किए जाएंगे। स्नातक पाठ्यक्रम में बदलाव के कारण अलग-अलग बीएड कार्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं।

डमी बीएड कॉलेजों पर नकेल की तैयारी, 10 दिसंबर तक पोर्टल पर अपलोड करनी है शिक्षकों की रिपोर्ट

एनसीटीई ने डमी बीएड कॉलेज पर नकेल की भी तैयारी कर ली है। देशभर के बीएड कॉलेजों को शिक्षकों के पैन नंबर उनके सेलरी एकाउंट से पंजीकृत करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे शिक्षक एक से अधिक कॉलेजों में सेवाएं नहीं दे सकेंगे। इसके साथ ही डमी व फर्जी कॉलेजों को पकड़ने के लिए जियो कोऑर्डिनेट के तहत शिक्षकों व छात्रों की लाइव फोटो अपलोड करनी होगी। बीएड कॉलेजों को वर्ष 2021-22 और 2022-23 की परफोर्मेंस अप्रेजल रिपोर्ट (पीएआर) 10 दिसंबर तक हर हाल में पोर्टल पर अपलोड करने का भी निर्देश दिया गया है। इसमें शिक्षकों व छात्रों की संख्या, छात्र-शिक्षक अनुपात, पाठ्यक्रम, मूल्यांकन, परिणाम, पास प्रतिशत जैसी अहम जानकारियां देनी है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR
DATE : 04.12.2024, PAGE-05

विश्वविद्यालय के पास भी रहेगा मेमो

पेंडिंग सुधार के लिए अब नहीं लगाना होगा चक्कर

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय की परीक्षाओं का मेमो अब परीक्षा केंद्र के साथ ही परीक्षा विभाग के पास भी रहेगा। विवि की ओर से इसके लिए अलग ई-मेल तैयार किया जाएगा, जिसपर कॉलेजों को सभी परीक्षाओं का मेमो अनिवार्य रूप से भेजना है। ऐसे में किसी छात्र का रिजल्ट पेंडिंग होने पर उसे कॉलेज, परीक्षा केंद्र और विवि का चक्कर लगाना नहीं पड़ेगा। पेंडिंग सुधार में छात्रों को हो रही परेशानियों को देखते हुए कुलपति ने सभी कॉलेजों के प्राचार्यों को निर्देश दिया है। सोमवार की शाम कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने विवि के अधिकारियों के साथ ही सभी प्राचार्यों की ऑनलाइन बैठक की। कुलपति ने राजभवन की अधिसूचना के अनुसार निर्धारित शुल्क सभी कॉलेजों में लागू करने का निर्देश दिया। हालांकि, इसको लेकर कुछ प्राचार्यों ने सवाल भी उठाया। उनका कहना है कि बड़े कॉलेजों के रख-रखाव सहित अन्य सुविधाओं पर खर्च भी अधिक होता है। छात्रों का अपार आईडी बनवाने को लेकर भी तेजी से काम करने के लिए कहा गया। प्राचार्यों से कहा गया कि कॉलेज में नामांकित सभी छात्रों का अपार आईडी अनिवार्य रूप से बनवा लें। इसके आधार पर ही उनका क्रेडिट स्कोर एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट पर अपलोड किया जाएगा। कुलपति ने इस महीने विवि की मेजबानी में होने वाले इंटर यूनिवर्सिटी महिला बास्केटबाल प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सभी से सहयोग की बात कही।

जेबीएसडी कॉलेज के प्राचार्य ने किया प्रभार ग्रहण

मुजफ्फरपुर | बीआरए बिहार विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई जेबीएसडी कॉलेज बकुची में नए प्राचार्य के रूप में प्रो. राजकुमार सिंह ने प्रभार संभालने के साथ ही सभी शिक्षक व कर्मचारियों के साथ बैठक की। प्रधान सहायक राजीव रंजन ने महाविद्यालय के सभी शिक्षक-कर्मियों से परिचय कराया। प्राचार्य ने कहा कि महाविद्यालय का विकास पहली प्राथमिकता होगी।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

PRABHAT KHABAR, MUZAFFAPRUR, DATE : 04.12.2024, PAGE-04

कॉलेजों को वेबसाइट पर देना होगा कोर्स फी का पूरा ब्योरा

मुजफ्फरपुर .बीआरएबीयू में कुलपति प्रो दिनेश चंद्र राय की अध्यक्षता में अंगीभूत व संबद्ध कॉलेजों के प्राचार्यों की बैठक ऑनलाइन मोड में हुई. शाम में हुई बैठक में कुलपति ने विभिन्न मुद्दों को लेकर प्राचार्यों को निर्देश दिया. कहा कि विभिन्न कॉलेजों में एक ही कोर्स के लिए अलग-अलग फी लिए जाने की शिकायत लगातार मिल रही है. ऐसे में अब सभी कॉलेज राजभवन की ओर से निर्देशित फी ही लेंगे. फी स्ट्रक्चर का विवरण वेबसाइट पर अपडेट करेंगे. उन्होंने फी के साथ ही पांच एजेंडों पर प्राचार्यों के साथ चर्चा की. वीसी ने आदेश दिया कि इस महीने में सभी कॉलेजों में नामांकित छात्र-छात्राओं का अपार आइडी बनाने का कार्य हर हाल में पूरा कर लें. छात्र-छात्राओं की एबीसी आइडी बनाना भी जरूरी है.

अपार आइडी बनाने में बेहतर प्रदर्शन करने वाले ललित नारायण तिरहुत कॉलेज व रामवृक्ष बेनीपुरी महिला महाविद्यालय का उदाहरण प्राचार्यों को दिया गया. परीक्षाओं के बाद पेंडिंग परिणाम को लेकर छात्र-छात्राओं की परेशानी की ओर कुलपति ने प्राचार्यों का ध्यान आकृष्ट कराया. कहा कि पेंडिग परिणाम वाले छात्रों को मेमो और एटेंडेंस सीट के लिए केंद्र का चक्कर लगाना होता है. ऐसे में अब परीक्षा समाप्ति के ठीक बाद उसी दिन मेमो की सॉफ्ट कॉपी विवि को भेज दें. कॉलेज से प्रतिनिधि को भेजकर अंकपत्र समय से प्राप्त करें और उसे रिकॉर्ड में मेंटेन करें. बैठक में अध्यक्ष छात्र कल्याण डॉ आलोक प्रताप सिंह, कुलानुशासक प्रो.बीएस राय, परीक्षा नियंत्रक डॉ सुबालाल पासवान, विकास पदाधिकारी डॉ रमेश विश्वकर्मा, एलएस कॉलेज के प्राचार्य प्रो ओपी राय, आरबीबीएम की प्राचार्य डॉ ममता रानी, नीतीश्वर के प्राचार्य डॉ मनोज कुमार, एलएनटी कॉलेज के प्राचार्य डॉ अभय सिंह समेत सभी कॉलेजों के प्राचार्य ऑनलाइन जुड़े थे.

समय से सिलेबस पूरा कराना है चुनौतीपूर्ण

स्नातक व पीजी में जिस प्रकार विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है, साथ ही सेमेस्टर सिस्टम लागू होने से विवि पर लगातार बढ़ा है.शिक्षक लगातार मूल्यांकन कार्य में ही लगे हैं. ऐसे में सिलेबस पूरा कराना भी चुनौतीपूर्ण हो गया है. अब ऑनलाइन स्टडी मेटेरियल व लेक्चर को रिकॉर्ड कर स्टूडेंट्स को उपलब्ध कराया जायेगा. कहा गया कि जिन विषयों में शिक्षक नहीं हैं, उनके मदर डिपार्टमेंट के शिक्षक तत्काल उस विषय की पढ़ायेंगे.साथ ही परीक्षा के बाद कॉपियों की जांच भी अलग-अलग जिलों में कराने पर विचार किया गया.

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE : 04.12.2024, PAGE-04

59 प्रतिभागी तात्कालिक रूप में सांस्कृतिक टीम के लिए चुने गये

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

- 10 से अलग-अलग स्थलों पर दिया जायेगा प्रतिभागियों को प्रशिक्षण
- कार्यशाला के बाद अंतिम रूप से 48 प्रतिभागी किये जायेंगे चयनित

बीआरएबीयू की सांस्कृतिक टीम के लिए सभी विधाओं में 59 प्रतिभागियों का तात्कालिक चयन किया गया है. इनमें सभी विधाओं को मिलाकर 11 छात्र-छात्राओं की छंटनी की जायेगी. अंतिम रूप से 48 प्रतिभागियों का चयन कार्यशाला के बाद किया जायेगा. 10 दिसंबर से शुरू होकर अगले वर्ष पांच जनवरी तक सभी विधाओं का अलग-अलग स्थानों पर प्रशिक्षण शिविर लगेगा.

8 से लगेगी कार्यशाला

नृत्य-संगीत का प्रशिक्षण शिविर विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम में, साहित्यिक व ललित कला विधाओं का प्रशिक्षण शिविर, विवि के मैथिली विभाग में लगेगा. नाट्य विधाओं का प्रशिक्षण शिविर इग्नू सेंटर के ऊपरी तल पर कराया जायेगा. नाट्य विधाओं के लिए कार्यशाला 8 और 9 दिसम्बर को लगेगी. इसमें अंतिम रूप से प्रतिभागियों का चयन किया जायेगा. सांस्कृतिक महोत्सव में किये जाने वाली नाटक की प्रस्तुति व उसमें महिला-पुरुष पात्रों की संख्यानुसार फिजिकल अवलोकन के बाद अंतिम रूप से प्रतिभागियों का चयन किया जायेगा.

नृत्य व संगीत विधाओं में भी दो-चार अधिक प्रतिभागियों को शामिल किया गया है. प्रशिक्षण के दौरान ही इनके चयन पर अंतिम निर्णय लिया जायेगा. वाद-विवाद व वक्तृत्व कला में भी प्रशिक्षण के दौरान दो-तीन दिनों तक तत्काल चयनित सभी प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों के अवलोकन के बाद ही अंतिम रूप से चयन किया जायेगा. ललित कला विधाओं में भी प्रशिक्षण के दौरान ही विधावार प्रतिभागी निर्धारित होंगे. एआइयू इस्ट जोन अंतर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव-2024-25 में पिछले बार के मुकाबले इस बार और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रतिभागियों को फिल्टर कर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की बात कही गयी है.

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR
DATE : 04.12.2024, PAGE-04

इंटीग्रेटेड बीएड की परीक्षा शिड्यूल में हुआ बदलाव

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू की ओर से चार वर्षीय बीएड कोर्स की पांच दिसंबर को होने वाली परीक्षा स्थगित कर दी गयी है. तिरहुत स्नातक क्षेत्र से एमएलसी के लिए हो रहे उप चुनाव को लेकर परीक्षा की तिथि में बदलाव किया गया है. 5 दिसंबर की जगह अब यह परीक्षा 12 दिसंबर को ली जाएगी. परीक्षा विभाग की ओर सूचना जारी कर छात्र-छात्राओं को इसी शिड्यूल के अनुसार परीक्षा में शामिल होने को कहा गया है. चार वर्षीय बीएड कोर्स के दो सेमेस्टर की परीक्षाएं 5 दिसंबर से ही शुरू होनी थी. परीक्षा का कार्यक्रम पहले निर्धारित हो गया था.